पांचवी 'महफ़िल' में कलाकारों ने श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया

नगर संवाददाता

भिलाई, १४ जून। आज भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा एवं मनोरंजन समूह द्वारा पांचवी 'महफिल' कार्यक्रम का आयोजन भिलाई होटल के बहुउद्देशीय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संयंत्र के मुख्य कार्मिक प्रबंधक पी.सी. महापात्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सपना अवस्थी के तबला वादन से हुआ। उन्होंने तीन ताल प्रस्तुत किया, जिसे वहां उपस्थित संगीत रसिकों ने भरपूर सराहा। तत्पश्चात इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय खरागढ़ म एम.ए. अध्ययन कर रही श्रद्धा बनर्जी ने एक भजन "मैं मंगलदीप जलाऊ" प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने देश के मशहूर शायर बशीर बद्र की गजल 'न हम सफर न हमनशीं से निकलेगा, हमारे पांव का कांटा है हमी से निकलेगा' सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

सुरयामिनी 'मगफिल' के अगले पड़ाव पर अंचल के ख्याति लब्ध गायक व संगीतकार अश्वनी वर्मा ने राग बागेश्री में 'काम न आ सकी न अपनी वपों तें, क्या करें' प्रस्तुत की। इसके बाद एक गजल 'काश गीतों में मेरे ऐसा असर हो जाये, दर्द की रात में गाऊं तो शहर हो जाये' और अंत में राग देश में कबीर दास का प्रसिद्ध भजन 'चदरिया झीनी रे झीनी' प्रस्तुत किया। इसके बाद भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा एवं मनोरंजन समूह की पांचवी 'महफिल' समाप्त घोषित की गई।

इस संगीत यामिनी में सपना अवस्थी के साथ हारमोनियम पर के.के. पाटील, श्रद्धा बनर्जी के गायन के साथ भालचंद्र शेगेकर, हारमोनियम पर प्रभंजय चतुर्वेदी, बांसुरी पर दुष्यंत हरमुख एवं वायलिन पर समीर कर्मकार ने संगीत की। अश्वनी वर्मा के साथ तबले पर महेन्द्र चौहन नेसंगत की। इस प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन में विशेष रूप से भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) जी. उपाध्याय, उपमहाप्रबंधक (कार्मिक) मृत्युंजय प्रसाद साहा, प्रबंधक (जनसंपर्क) अशोक सिंघई, उप प्रबंधक (मनोरंजन) आर.टी. रामचंद्रन, विशेष सशस्त्र बल के कमांडेण्ट ए.के. श्रीवास्तव, मंजू श्रीवास्तव के अलावा बड़ी संख्या में नगर के साहित्यकार एवं संगीत प्रेमी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन प्रभंजय चतुर्वेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा एवं मनोरंजन समूह के कार्यक्रम समन्वयक दीपक खरे ने किया।

15/6/94

दैनिक भास्कर, भास्कर हाऊस, १३९ न्यू सिविक सेन्टर भिलाई फोन :-३५५९३६, ३५४९३६